ANJAYEYA UNIVERSITY, RAIPUR, CHHATTISGARH

PhD Entrance Exam 2024 Syllabus

Syllabus for Hindi

Unit I: हिन्दी भाषा और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रुपगत), हिन्दी की बोलियाँ– वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण ।

हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी ।
हिन्दी भाषा–प्रयोग के विविध रूप–बोली, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी ।

Unit II: हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियाँ।
हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएँ एवं पत्र–पत्रिकाएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण ।

आदिकालः हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब और कैसे ? रासो–साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य ।

मध्यकाल : भक्ति–आन्दोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्टा ।

हिन्दी सन्त काव्य : सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान ।

हिन्दी सूफी काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य– मुल्ला दाऊद (चन्दायन), कुतुबन (मिरगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ।

हिन्दी कृष्ण काव्यः विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण–भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य–मीरा और रसखान ।

हिन्दी राम काव्यः विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्व ।
रीति काल : सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव घनानन्द और पद्माकार, रीतिकाव्य में लोकजीवन।

आधुनिक कालः हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास।
भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 को राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता ।

द्विवेदी युग : महाबीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

Unit III: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु काव्य – प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण।
अलंकार सिद्धांत और अलंकारों का वर्गीकरण।
रीति की अवधारणा और भेद।
वक्रोक्ति की अवधारणा और भेद
ध्वनि का स्वरूप और ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।
औचित्य सिद्धांत और औचित्य के भेद।

हिन्दी कवि – आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतनः लक्षण, काव्य परंपरा। हिन्दी आलोचना, की प्रमुख प्रवृत्तियाँः शास्त्रीय, व्यक्तिवादी/सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी और सौंदर्यशास्त्रीय।
अरस्तू : अनुकरण और विरेचन सिद्धान्त।
लोंजाइनस : कल्पना – सिद्धांत और ललित – कल्पना ।
टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ। संवेगों का संतुलन।
सिद्धांत और वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद ।

Unit IV: आधुनिक हिन्दी काव्य

1. मैथिलीशरण गुप्तः कृति–परिचय, साकेत के नवम, सर्ग का काव्य – सौन्दर्य, विरहवर्णन, चरित्रचित्रण।
2. जयशंकर प्रसाद : कृति–परिचय, कामयानी : प्रबन्धविन्यास, चरित्रनिरूपण,
3. रूपकतत्त्व, समरसता और आनन्दवाद, सौन्दर्यबोध ।
4. सुमित्रानन्दन पंत – कृति – परिचय, प्रकृतिचित्रण, कल्पनाशीलता, सौन्दर्यचेतना, पंत की काव्यभाषा।
5. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – कृति – परिचय, निराला की प्रगतिचेतना, मुक्त छन्द, राम की शक्तिपूजा का काव्यसौन्दर्य, कुकुरमुत्ता।
6. महादेवी वर्मा – कृत्ति – परिचय, गीतिकला, विरहवर्णन, रहस्यवाद, सौन्दर्यबोध काव्यकला।
7. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – कृति – परिचय, प्रयोगधर्मिता, असाध्यवीणा का काव्यसौन्दर्य।
8. गजानन माधव मुक्तिबोध – कृति – परिचय, समाजबोध, प्रगतिशील चेतना फैंटेसी, ब्रह्मराक्षस का काव्यसौन्दर्य।
9. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
10. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
11. छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
12. उत्तरछायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

Unit V: भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषाविज्ञान का स्वरूप तथा अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग्यंत्र और उसके अंग

रूपविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारण और भेद। वाक्य की अवधारणा, और वाक्य के भेद।

अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन।

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।